

Seat No _____

No. of Printed Pages:2

(53/A-45)

SARDAR PATEL UNIVERSITY
B.A (IV Semester) EXAMINATION
THURSDAY, 4th APRIL 2019
02.00 P.M. TO 05.00 P.M.
UA04EHIN04 FOUNDATION ELECTIVE HINDI

कथायन
UA04EHIN04

कुल गुण: ७०

सूचना: हिन्दी में शिरोरेखा करना अनिवार्य है।

प्र.१ सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (कोई भी तीन) (१५)

(अ) “मैं न पढ़ी, न लिखी, बेटा, मैं क्या बात करूँगी। तुम कह देना, माँ अनपढ़ है, कुछ जानती समझती नहीं। वह नहीं पूछेगा।”

(आ) “मेरे मन में उस समय तरह-तरह के सिद्धांत आये। मैंने स्थिर किया कि अपराध के प्रति करुणा ही होनी चाहिए। रोष का अधिकार नहीं है। प्रेम से ही अपराधवृत्ति को जीता जा सकता है। आतंक से उसे दबाना ठीक नहीं है।”

(इ) “मुक्ति की आशा, स्नेह का असंभवित आलिंगन। दोनों ही अन्धकार में मुक्त हो गये। यह क्या? तुम स्त्री हो?”

(ई) “तुम इन ज्योतिषियों की बातों पर विश्वास करती हो, जो दुनिया भर के झूठे और धूर्त हैं। झूठ बोलने की ही रोटियाँ खाते हैं।”

(उ) “वह देखेगा कि बड़े लोग भी छोटों की ही भाँति रोते हैं, या सबर कर जाते हैं। वे लोग जो विद्वान होते हैं, सबर कर जाते होंगे।”

प्र.२ ‘आकाशदीप’ कहानी के आधार पर चंपा का चरित्र चित्रण कीजिए। (२०)

अथवा

प्र.२ टिप्पणी लिखें।

१. ‘चीफ की दावत’ कहानी की माँ।

२. ‘पाजेब’ कहानी का आशुतोष।

प्र.३ ‘ताई’ कहानी की कथावस्तु लिखकर उसकी विशेषताएँ बताईए। (२०)

अथवा

प्र.३ टिप्पणी लिखें।

१. ‘मंत्र’ कहानी का भगत।

२. ‘चीफ की दावत’ कहानी का व्यंग्य।

प्र.४ सूचनानुसार कीजिए।

(क) पल्लवन कीजिए। (कोई भी एक) (५)

१. क्रोध एक तरह का रोग होता है, जिसे क्षणिक पागलपन कह सकते हैं।

२. विदेशी भाषा का विद्यार्थी होना बुरी बात नहीं, पर अपनी भाषा सर्वोपरी है।

(ख) गुजराती से हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (५)

आत्मिक केवलशी केम अपाय? बालकोने लजन गवडावतो, नीतिना पुस्तको
वांशी संभलावतो, पल तेथी संतोष नहोतो पामतो. जेम-जेम तेमना प्रसंगमां आवतो
गयो तेम तेम में जेयुं के आ ज्ञान पुस्तको वडे तो नहीं ज अपाय. शरीरनी केवलशी

पीछे देखिये

શરીરની કસરતથી અપાય,બુદ્ધિની કેળવણી બુદ્ધિની કસરતથી,તેમ આત્માની કેળવણી આત્માની કસરતથી. આત્માની કસરત શિક્ષકના વર્તનથી જ પામી શકાય.એટલે યુવકોની હાજરી હો યા ન હો,તેમ છતાં શિક્ષકે સાવધાન રહેવું જોઈએ.લંકામાં બેઠેલો શિક્ષક પોતાના વર્તનથી પોતાના શિષ્યોના આત્માને હલાવી શકે છે.જૂઠું બોલું ને મારા શિષ્યોને સાચા બનાવવાનો પ્રયત્ન કરું તે ફોગટ જાય.ડરપોક શિક્ષક શિષ્યોને વીરતા નહીં શીખવી શકે. વ્યભિચારી શિક્ષક શિષ્યોને સંયમ કેમ શીખવે? મેં જોયું કે મારે મારી પાસે રહેલા યુવકો અને યુવતીઓની સમક્ષ પદાર્થપાઠરૂપે થઈને રહેવું રહ્યું.આથી મારા શિષ્યો મારા શિક્ષક બન્યા.મારા અર્થે નહીં તો તેમને અર્થે મારે સારા થઈ ને રહેવું જોઈએ એમ હું સમજ્યો.

(ગ) પારિભાષિક શબ્દ લિખો (કોઈ બી પાંચ)

(૫)

1. Adult 2. Interview 3. Index 4. Division 5. Transfer 6. Vacancy
7. Biology 8. Extra ordinary

X

(2)